

नसूवा (अजमेर)

20/7/15

शायी / कादी सज्जन पुत्र निम्ना जाति भेरात जायं अस्तु (उत्तराखण्ड)
स्वयं उपस्थित होकर किवदें किता की अख मे पायन पत्र को कले नही
-पलाग चालां हूँ अतः। शाप पत्र कागवाली इसीस्वर पर डोपकर खारिज
किता जाके। शायी की निवडेन स्वीकार भोग्य होत है स्वीकार की जाती है
शापपत्र किता करने की अउमति ही जाती है। शाप पत्र इसी स्वर पर
खारिज किता जाकर पत्रावली शुगर केमल होकर नखर कंकज है
काड स्फुलर शारिनर हो।

विचारार्थीत शा
पत्र पर अख मे
कादी कोइकायिनी
नही चालता हूँ पाय
विश्री करत हूँ
सज्जन

अख
उपस्थित अभिजात
नसूवा (अजमेर)

